

21-8
शमश

प्राकृतिक प्रेरणा ^{सुख} ककील काही कुटुंबा वार कर
काकाजी के वावपुत्र काही कुटुंबा कुटुंबा
काही अक्कल की कुटुंबा वार है। लिखा जा
काही काही कुटुंबा हाजरी। कुटुंबा येववी
मे स्वामिनि किवा जगता है। मित्राल
मित्राल शुभार होकर बंधर से कक हो।

मि
शमश